01 अध्याय

पालमपुर गांव की कहानी

अध्याय की मुख्य बातें

चित्र संख्या—1.1

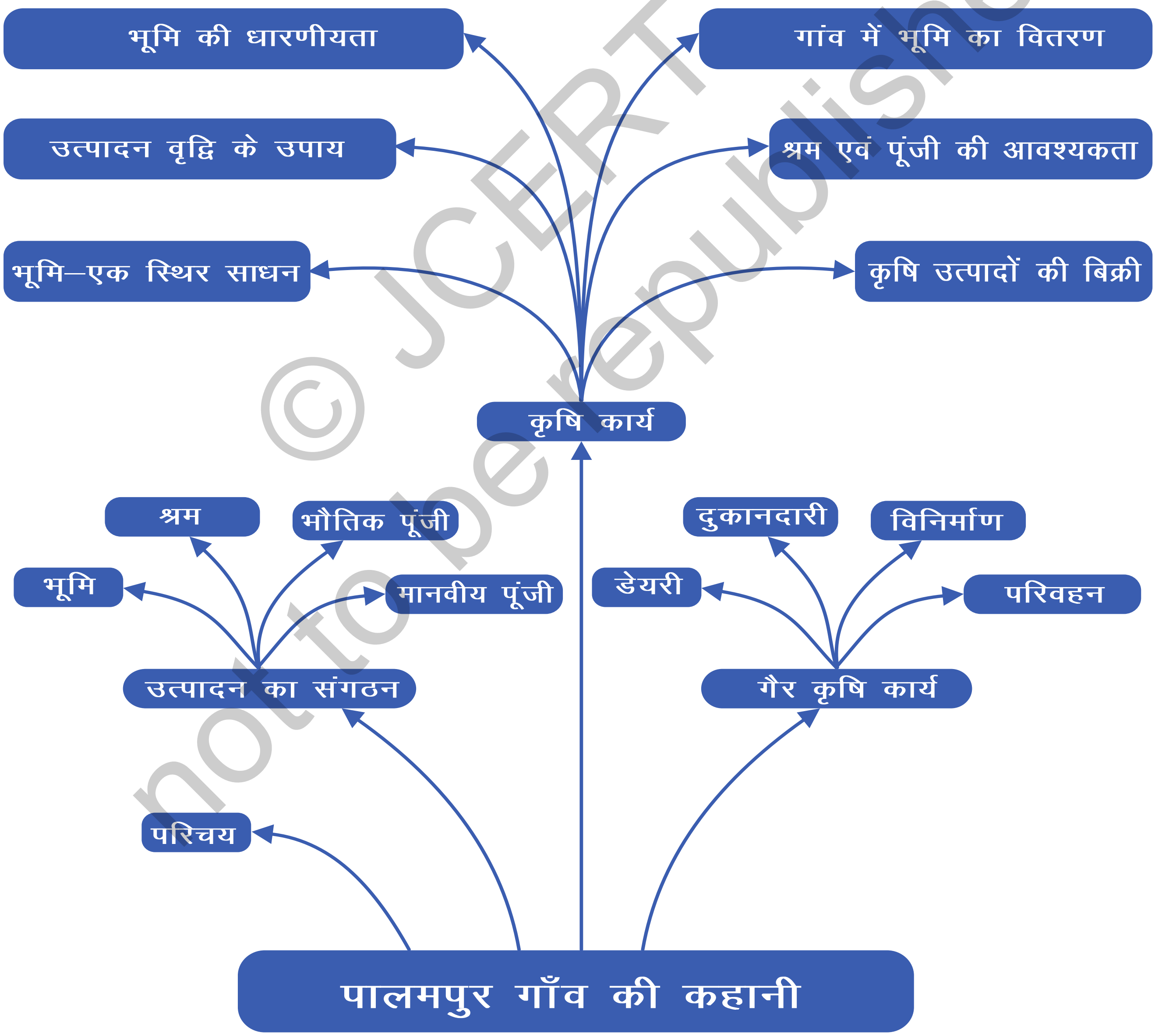

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

1. परिचय –

पालमपुर गांव की कहानी एक काल्पनिक गांव की कहानी है। इस गांव की कहानी के माध्यम से हम विभिन्न प्रकार के उत्पादन क्रियाओं को जानने का प्रयास करेंगे। वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए आवश्यक साधन क्या है? साधनों का समायोजन किस प्रकार होता है? पालमपुर गांव एक साधन संपन्न गांव है, जहां 450 परिवार रहते हैं जिनका मुख्य व्यवसाय कृषि है। पालमपुर गांव निकट के शहर और गांव से भली–भांति पक्की सड़क से जुड़ा है। परिवहन के लिए बैलगाड़ी, बग्गी, जीप, ट्रैक्टर, ट्रक, मोटरसाइकिल जैसे साधन उपलब्ध है। गांव में किसान विद्युत चालित नलकूप एवं अन्य मशीनों का प्रयोग करते हैं।

2. उत्पादन का संगठन

चित्र संख्या–1.2

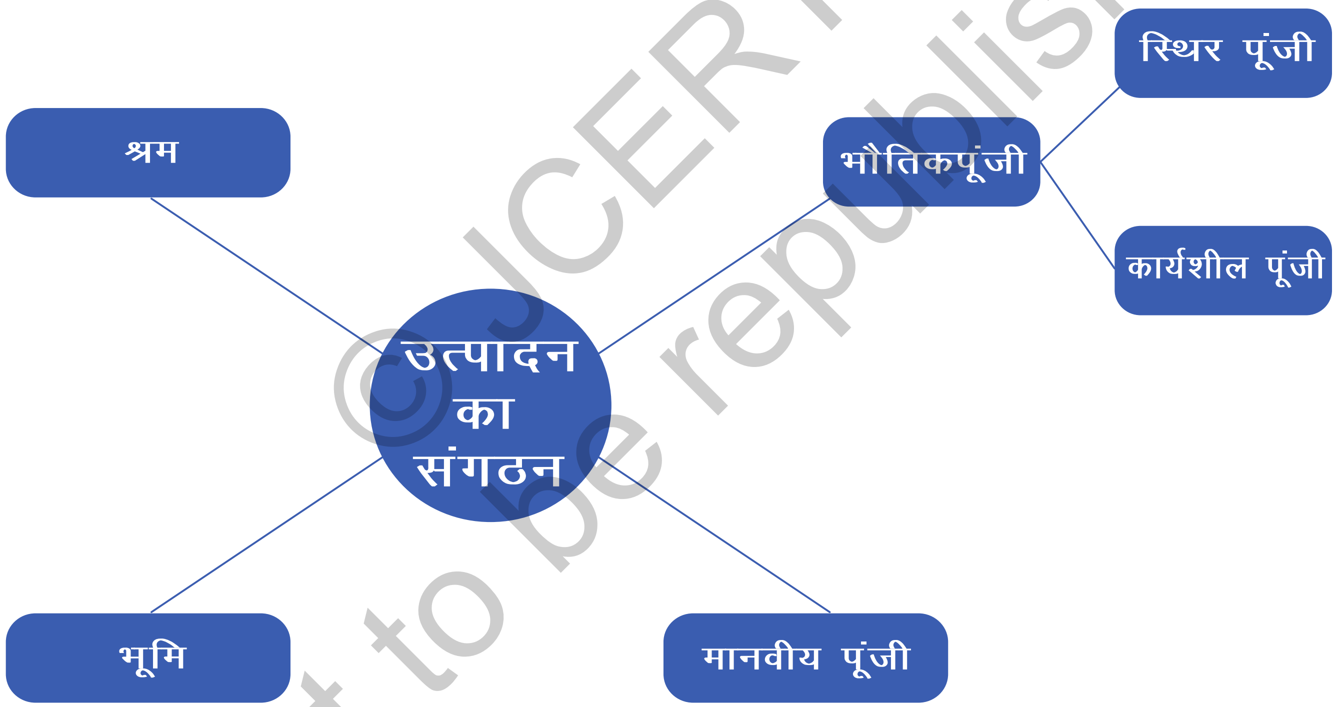

© JCERT not to be republished

हमें जिन वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता होती है उन्हें उत्पादित किया जाता है। उत्पादन के लिए चार साधन – भूमि, श्रम, भौतिक पूंजी एवं मानवीय पूंजी की आवश्यकता होती है। उत्पादन उपर्युक्त चारों साधनों के संयोजित संगठन से होता है। इन्हें उत्पादन के साधन या कारक कहते हैं।

2.1 **भूमि** – उत्पादन की पहली आवश्यकता है। भूमि एवं अन्य प्राकृतिक साधन जैसे जल, वन, खनिज इसी के अंतर्गत आते हैं।

2.2 **श्रम** – जो लोग काम करते हैं उन्हें श्रम कहते हैं। श्रम कुशल, अकुशल, शिक्षित या प्रशिक्षित हो सकते हैं।

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

2.3 **भौतिक पूंजी** – उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर कई तरह के आगत (साधन) की आवश्यकता होती है। मशीन, औजार, भवन, संयंत्र, जनरेटर, कंप्यूटर आदि स्थिर पूंजी है। ऐसे साधनों को उत्पादन में एक बार शामिल करने पर कई वर्षों तक प्रयोग में लाया जाता है।

उत्पादन के कुछ साधन जैसे कच्चा माल तथा कर्मचारियों को दिया जाने वाला भुगतान, जो नगद मुद्रा के रूप में होती है, कार्यशील पूंजी कहलाती है। ऐसे साधन उत्पादन प्रक्रिया के दौरान समाप्त हो जाते हैं।

2.4 **मानव पूंजी** – उधम वह कुशल ज्ञानवान मानव होता है जो उत्पादन को सफल बनाने के लिए उत्पादन के अन्य साधनों भूमि, पूंजी एवं श्रम को संगठित करता है इसे मानव पूंजी कहते हैं।

3. कृषि कार्य

चित्र संख्या–1.3

© JCERT not to be republished

3.1 भूमि स्थिर साधन

- भूमि उत्पादन का एक स्थिर साधन है इसकी पूर्ति को बढ़ाया नहीं जा सकता?
- 1960 से अभी तक गांव की कृषि योग्य भूमि में कोई विस्तार नहीं हुआ।
- गांव के कुछ बंजर भूमि को खेती योग्य बनाया गया है।

3.2 उत्पादन वृद्धि के उपाय

- उत्पादन बढ़ाने के लिए स्थिर भूमि पर कई तरीके अपनाए जा सकते हैं जैसे – बहुविध फसल प्रणाली या आधुनिक कृषि।

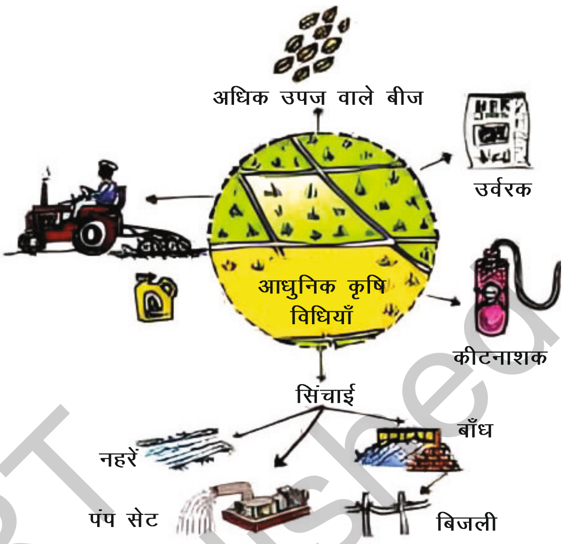

चित्र 1.4 : आधुनिक कृषि के तरीके : एच.वाई.वी. बीज, रासायनिक उर्वरक आदि

बहुविध फसल प्रणाली – एक भूमि के टुकडे पर एक वर्ष में 1 से अधिक फसल उपजा कर उत्पादन को बढ़ाना एक सामान्य विधि है। बरसात के मौसम में खरीफ फसल– ज्वार एवं बाजरा पशु चारा के लिए, अक्टूबर – दिसंबर के बीच आलू की खेती, सर्दी के मौसम में रवि फसल गेहूं का उपज किया जाता है। गांव के 40% भूमि सिंचित है। अत: किसान विद्युत चालित नलकूपों का प्रयोग कर सिंचाई करते हैं एवं 1 वर्ष में तीन फसल का उत्पादन कर रहे हैं।

आधुनिक कृषि – तकनीक का प्रयोग कर भूमि के किसी एक क्षेत्र से एक ही मौसम में उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए अधिक उपज वाले एचआईवी बीज, सिंचाई के साधन, रसायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है। 1960 के दशक के अंत में आधुनिक कृषि तकनीक का प्रयोग कर गेहूं और चावल के उत्पादन को बढ़ाया गया। इसे हरित क्रांति का नाम दिया गया।

3.3 **भूमि की धारणीयता** – भूमि स्थिर प्राकृतिक साधन है इसका उपयोग सावधानी पूर्वक होना चाहिए। आधुनिक कृषि विधि से कृषि कार्य करने के कारण रसायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक का प्रयोग बहुत बढ़ गया है। इससे मिट्टी की उर्वरता एवं भूमिगत जल स्रोत पर विपरीत प्रभाव पड़े हैं। मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता कम होने लगी है। कृषि भूमि का विवेकशील प्रयोग जरूरी है।

© JCERT not to be republished

3.4 गांव में भूमि का वितरण –

चित्र 1.5 : पालमपुर गाँव : कृषि भूमि का वितरण

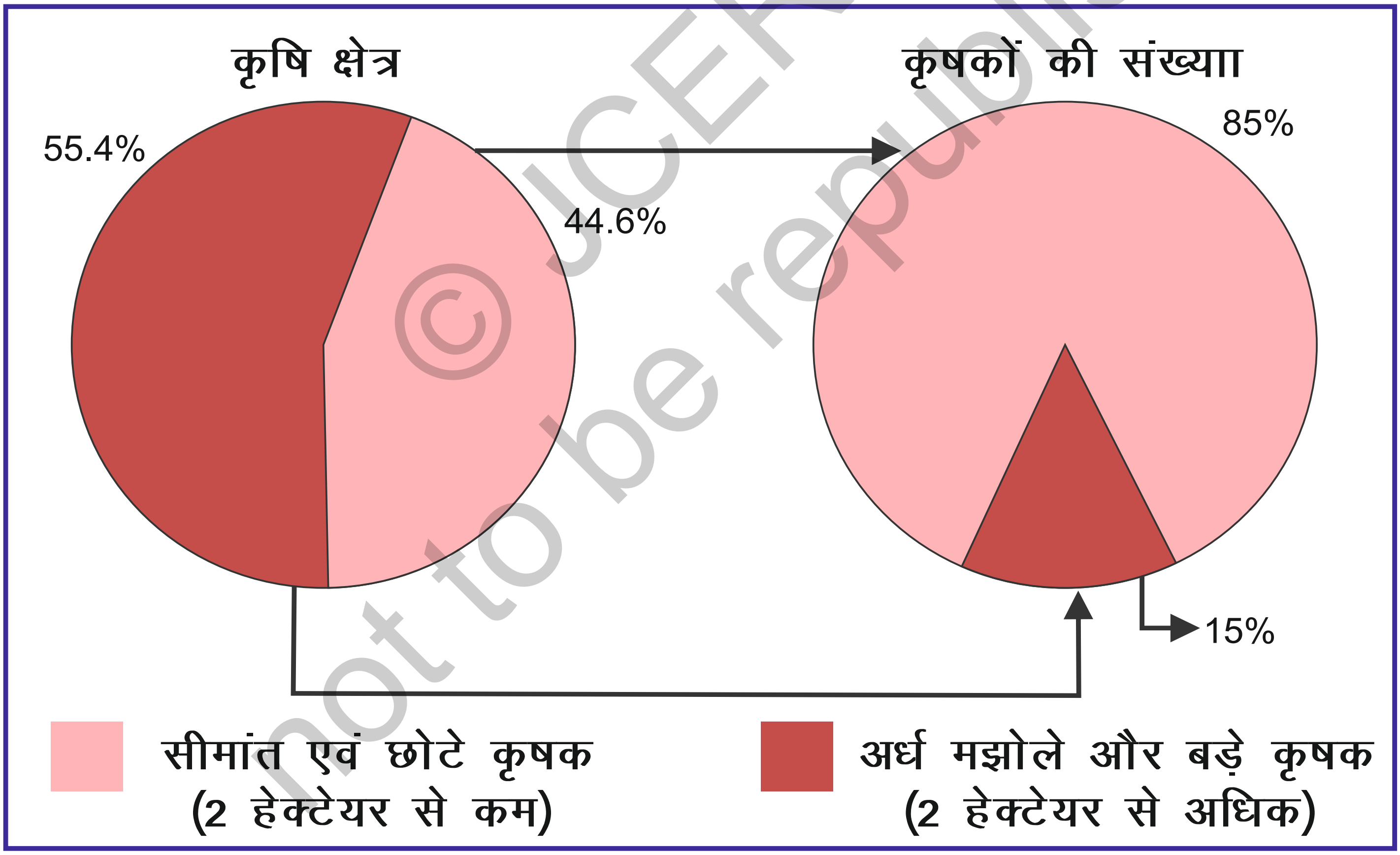

पालमपुर गांव में 450 परिवार रहते हैं। 150 परिवार भूमिहीन है और इनमें से अधिकांश दलित है। 240 परिवारों के पास 2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले भूमि है। 60 परिवार मंझोले और बड़े किसानों के हैं जिनके पास 2 हेक्टेयर से अधिक भूमि है। कुछ के पास तो 10 हेक्टेयर से अधिक भूमि है।

© JCERT not to be republished

3.5 श्रम एवं पूंजी की आवश्यकता –

कृषि कार्य में श्रम की आवश्यकता अधिक होती है। छोटे किसान अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने खेतों में स्वयं काम करके श्रम की पूर्ति करते हैं। मंझोले और बड़े किसान भूमिहीन श्रमिकों और छोटे किसानों को किराए पर काम में लगाते हैं। श्रम का भुगतान अर्थात मजदूरी नकद या अनाज के रूप में किया जाता है। गांव में भूमिहीन श्रमिकों एवं मजदूरों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। श्रमिकों को वर्ष भर काम नहीं मिलता है। मजदूरी भी न्यूनतम मजदूरी दर से काफी कम मिलती है। श्रमिकों की संख्या अधिक होने के कारण श्रमिक कम मजदूरी दर पर भी काम करने को तैयार रहते हैं।

आधुनिक तरीके से खेती करने के लिए अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है। छोटे किसान गांव के बड़े किसानों या साहूकारों या व्यापारियों से ऋण लेते हैं। बड़े और मझोले किसानों को खेती से बचत होती है, इन्हीं बचतो से वे अपनी पूंजी की व्यवस्था करते हैं।

3.6 कृषि उत्पादों की बिक्री

छोटे किसानों के पास कृषि उत्पाद कम होते हैं परिवार के उपभोग के लिए उत्पाद रखने के बाद काफी कम अधिशेष उत्पाद (गेहूं) बचते हैं जिसे वे पास के बाजार में बेचते हैं। बड़े और मंझोले किसान के पास अधिशेष उत्पाद अधिक बचते हैं जिन्हें वे पास के बड़े बाजार में बेचकर अच्छी कमाई करते हैं। अधिशेष उत्पाद की बिक्री से प्राप्त आय को जमा करते हैं। बचत का उपयोग अगली फसल में पूंजी के रूप में, छोटे किसानों को कर्ज देने, स्थिर पूंजी एवं पशु खरीदने में करते हैं।

4. गैर कृषि कार्य

चित्र संख्या–1.4

4.1 **डेयरी** – पालमपुर गांव में कृषि के बाद डेयरी सबसे प्रचलित व्यवसाय है। लोग पशुपालन करते हैं एवं दूध को निकट के बड़े गांव में बेच देते हैं। बड़े बाजार में दूध संग्रहण एवं शीतलन केंद्र भी है जहां दूध बेचा जाता है।

© JCERT not to be republished

4.2 **विनिर्माण** – विनिर्माण कार्य छोटे पैमाने पर सरल उत्पादन तकनीक से परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर किया जाता है। किंतु कभी–कभी श्रमिकों को किराए पर भी रखा जाता है। गन्ने के किसान गुड़ का निर्माण करते हैं।

4.3 **दुकानदार** – गांव में छोटे–छोटे दुकानदार हैं जो दैनिक जीवन की वस्तुएं जैसे चाय, तेल, बिस्कुट, साबुन, टूथपेस्ट, बैटरी, कॉपियां, पेन, पेंसिल, कपड़े बेचते हैं।

4.4 **परिवहन** – परिवहन तेजी से विकसित होता क्षेत्र है। गांव पक्की सड़क से जुड़ा है, अतः कई तरह के वाहन चालक रिक्शेवाले, तांगा वाले, जीप, ट्रक, ड्राइवर आदि है। ये वस्तु और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्नः

1. पालमपुर गाँव के लोगों का मुख्य कार्य क्या था?

   a. नौकरी b. बेगारी. c. कृषि d. इनमें से कोई नहीं

2. पालमपुर गांव में कितनी प्रतिशत जनसंख्या खेती पर आश्रित थी?

   a. 60. b. 75 ब. 55 d. इनमें से कोई नहीं

3. खरीफ फसल की अवधि होती है?

   a. नवंबर से अप्रैल b. अप्रैल से जुलाई

   c. जून से अक्टूबर d. इनमें से कोई नहीं

4. पालमपुर गांव में कितने परिवार भूमिहीन है?

   a. 150 परिवार b. 75 परिवार

   c. 60 परिवार d. 250 परिवार

5. पालमपुर में किसान वर्ष में कितनी फसलें उगाते हैं?

   a. 1 b. 2 c. 3 d. 4

6. पालमपुर गांव में कुल कितने परिवार निवास करते हैं?

   a. 350 b. 400 c. 450 d. 500

7. निम्न में से कौन उत्पादन का साधन नहीं है?

   a. भूमि b. मानव पूंजी c. भौतिक पूंजी d. बाजार

8. पालमपुर गांव किस बड़े शहर से जुड़ा हुआ है?

   a. गोपालगंज b. सोलापुर c. रायगंज d. शाहपुर

9. हरित क्रांति की प्रमुख विशेषताएं कौन सी है?

   a. गेहूं तथा चावल की उत्पादन में वृद्धि

   b. ज्वार और बाजरा के उत्पादन में कमी

© JCERT not to be republished

c. गन्ने की खेती में अप्रत्याशित कमी

d. इनमें से कोई नहीं

10. निम्न में से कौन कार्यशील पूंजी का उदाहरण है?

a. भवन b. नगद पैसा तथा कच्चा माल

ब. मशीन d. इनमें से कोई नहीं

11. मदर डेयरी कहां की एक महत्वपूर्ण सहकारी संस्था है?

a. गुजरात b. हरियाणा c. दिल्ली d. पंजाब

12. निम्न में से कौन आर्थिक गतिविधि है?

a. अपने घर पर डॉक्टर का काम

b. अपने घर पर नर्स का काम

c. अपने घर पर खाना बनाने का काम

d. स्कूल में शिक्षक का काम

13. एक वर्ष के अंतर्गत किसी भूमि पर एक से अधिक फसल उगाने को क्या कहा जाता है?

a. फसल चक्र प्रणाली

b. उत्पादन की नई प्रणाली

c. नई कृषि प्रणाली

d. बहुविध फसल प्रणाली

14. बहुविध फसल प्रणाली क्या है?

a. 1 वर्ष में एक फसल उगाना

b. 6 माह में एक फसल उगाना

c. 6 माह में तीन फसल उगाना

d. 1 वर्ष में 1 से अधिक फसल उगाना

15. खरीफ फसल किस मौसम में होता है?

a. गर्मी ऋतु b. वर्षा ऋतु c. सर्दी ऋतु d. बसंत ऋतु।

16. किस खाद्य फसल का उत्पादन हरितक्रांति के कारण बढ़ा ?

a. मक्का तथा तेलहन b. दलहन तथा चावल

c. चावल तथा गेहूँ d. जौ तथा चावल

17. पालमपुर का मुख्य सिचाई का स्रोत–

a. कुंआ b. तालाब c. नहर d. नलकूप

© JCERT not to be republished

18. हरित क्रांति क्या है ?

a. कृषि में विकास b. दूध की वृद्धि

c. उद्योग में विकास d. इनमें से सभी

19. आर्थिक क्रियाएँ कितने प्रकार की होती है ?

a. 2 b. 6 c. 11 d. 20.

20. पालमपुर में कितने परिवार दो हेक्टेयर से अधिक भूमि पर कृषि कार्य करते हैं?

a. 75 परिवार b. 150 परिवार

c. 60 परिवार d. 240 परिवार

21. पालमपुर में काम करने वाले कितने प्रतिशत लोग गैर कृषि कार्य में लगे हुए है

a. 60% b. 25% c. 45% d. 75%

22. पालमपुर के लोग किस निकटवर्ती बड़े गाँव को दूध बेचते हैं?

a. पीतमपुरा b. शाहपुर c. सिलीगुडी d. रायगंज

23. कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण एवं मछली पालन तथा खनन इत्यादि क्रियाएँ कहलाती है–

a. चतुर्थक क्रियाएँ b. द्वितीयक क्रियाएँ

c. प्राथमिक क्रियाएँ d. तृतीयक क्रियाएँ

24. निम्नांकित में कौन–सा सबसे अधिक श्रम आधारित क्षेत्र है ?

a. कृषि b. मत्स्यपालन c. मुर्गीपालन d. खनन

25. भारत में आधुनिक कृषि सर्वप्रथम कहाँ आरम्भ की गई?

a. पंजाब b. झारखंड c. बिहार d. कोई नहीं

26. 1960 की हरित क्रांति किसके साथ जुड़ी थी ?

a. एचवाईवी (HYV) बीजों का उपयोग

b. वृक्षारोपण कार्यक्रम

c. मत्स्य विकास

d. दूध उत्पादन

27. श्वेत क्रांति से क्या समझते हैं?

a. फूलों की खेती में वृद्धि

b. फलों की खेती में विकास

c. मछली पालन में वृद्धि

d. दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

© JCERT not to be republished

28. हरित क्रान्ति की शुरुआत कब की गई ?

a. 1960 b. 1950 c. 1970 d. 1980

29. क्या हरित क्रांति हमें खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया ?

a. नहीं b. हां c. कभी नहीं d. कभी–कभी

30. पालमपुर गाँव मे कितने परिवार भूमिहीन है

a. 350 b. 500 c. 400 d. 150

31. एच० वाई० पी० (HYV) का क्या तात्पर्य है?

a. अधिक उत्पादन करने वाले बीज
b. निम्न उत्पादन करने वाले बीज
c. अधिक उत्पादन करने वाले खेत
d. निम्न उत्पादन करने वाले खेत

1–c, 2– b, 3–c, 4–a, 5–c, 6–c, 7–d, 8–c, 9–a, 10–b, 11–c, 12–d, 13–d, 14–d, 15–b, 16–c, 17–d, 18–a, 19–a, 20–c, 21–b, 22–d, 23–c, 24–a, 25–a, 26–a, 27–d, 28–a, 29–b, 30–d, 31–a.

प्रश्नोत्तर :

प्रश्न 1. भारत की जनगणना के दौरान दस वर्ष में एक बार प्रत्येक गाँव का सर्वेक्षण किया जाता है। पालमपुर से संबंधित सूचनाओं के आधर पर निम्न तालिका को भरिए :

(क) अवस्थिति क्षेत्र
(ख) गाँव का कुल क्षेत्र
(ग) भूमि का उपयोग (हेक्टेयर में

कृषि भूमि		भूमि जो कृषि के लिए उपलब्ध नहीं है (निवास स्थानों, तालाबों, चरागाहों आदि के क्षेत्र)
सिंचित	असिंचित	
		26 हेक्टेयर

(घ) सुविधाएँ

शैक्षिक	
चिकित्सा	
बज़ार	
बिजली पूर्ति	
संचार	
निकटतम कस्बा	

© JCERT not to be republished

उत्तर :

(क) अवस्थिति क्षेत्र : पडोसी गाँवों व कस्बों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। निकटतम छोटा कस्बा साहपुर एवं निकटतम बड़ा गाँव रायगंज है।

(ख) गाँव का कुल क्षेत्र : 200 + 50 + 26 = 276 हैक्टेयर

(ग) भूमि का उपयोग (हेक्टेयर में)

कृषि भूमि		भूमि जो कृषि के लिए उपलब्ध नहीं है (निवास स्थानों, तालाबों, चरागाहों आदि के क्षेत्र)
सिंचित	असिंचित	
200 हेक्टेयर	50 हेक्टेयर	26 हेक्टेयर

(घ) सुविधाएँ : शैक्षिक

शैक्षिक	एक उच्च विद्यालय, दो प्राथमिक पाठशालाएं
चिकित्सा	एक सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और एक निजी दवाखाना
बज़ार	एक सुविकसित बाजार
बिजली पूर्ति	पालमपुर के अधिकतर घरों में बिजली के कनेक्शन लगे हुए हैं
संचार	सड़कों एवं परिवहन की सुविकसित प्रणाली
निकटतम कस्बा	साहपुर

प्रश्न 2. खेती की आधुनिक विधियों के लिए ऐसे अधिक आगतों की आवश्यकता होती है, जिन्हें उद्योगों में विनिर्मित किया जाता है, क्या आप सहमत हैं?

उत्तर : हाँ, आधुनिक कृषि तरीकों को कारखाने में निर्मित अधिक संसाधन चाहिए। एचवाईवी बीजों को अधिक पानी चाहिए और इसके साथ ही बेहतर नतीजों के लिए रासायनिक खाद, कीटनाशक भी चाहिए। किसान सिंचाई के लिए नलकूप लगाते हैं। ट्रैक्टर एवं फसल गहनें के लिए मशिन जैसी मशीनें भी प्रयोग की गयी। एचवाईवी बीजों की सहायता से गेहूं की पैदावार 1300 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर से बढ़कर 3200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर तक हो गई और अब किसानों के पास बाजार में बेचने के लिए अधिक मात्रा में अतिरिक्त गेहूँ है।

प्रश्न 3. पालमपुर में बिजली के प्रसार ने किसानों की किस तरह मदद की?

उत्तर : बिजली से खेतों में स्थित सभी नलकूपों एवं विभिन्न प्रकार के छोटे उद्योगों को विद्युत ऊर्जा मिलती है। पालमपुर के किसानों की बिजली के प्रसार ने विभिन्न तरीकों से सहायता की है :

(क) इसने पालमपुर के किसानों को अपने खेतों की सिंचाई बेहतर तरीके से करने में सहायता की है। इससे पहले वे रहट के द्वारा सिंचाई करते आए थे जो अधिक प्रभावशाली तरीका नहीं था। किन्तु अब बिजली की सहायता से वे अधिक बड़े क्षेत्र को कम समय में अधिक प्रभावशाली तरीके से सींच सकते थे।

(ख) बिजली से सिंचाई प्रणाली में सुधार के कारण किसान पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न फसलें उगा सकते थे।

© JCERT not to be republished

(ग) उन्हें मानसून की बरसात पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है जो कि अनिश्चित है।

(घ) बिजली के प्रयोग के कारण पालमपुर के किसानों को बहुत से हाथ के कामों एवं चिंताओं से मुक्ति मिल गई।

प्रश्न 4. क्या सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है? क्यों?

उत्तर : सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना जरूरी है क्योंकि भारत में मॉनसून की बरसात अनिश्चित व भ्रमणशील है। कृषि के अंतर्गत आने वाली भूमि किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है। यदि किसानों को सिंचित भूमि खेती के लिए उपलब्ध हो जाती है तो वे थोड़ी जमीन पर ही अधिक उत्पादन कर सकते हैं।

प्रश्न 5. पालमपुर के 450 परिवारों में भूमि के वितरण की एक सारणी बनाइए।

उत्तर :

भूमिहीन परिवार	150 (दलित)
2 हेक्टेयर से कम भूमि वाले परिवार	180 परिवार
2 हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले परिवार	95 परिवार
10 हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले परिवार	25 परिवार
कुल	**450 परिवार**

प्रश्न 6. पालमपुर में खेतिहर श्रमिकों की मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम क्यों है?

उत्तर : पालमपुर में खेतिहर मजदूरों में काम के लिए परस्पर प्रतिस्पर्धा है। इसलिए लोग कम दरों पर भी मजदूरी के लिए तैयार हो जाते हैं।

प्रश्न 7. अपने क्षेत्र में दो श्रमिकों से बात कीजिए। खेतों में काम करने वाले या विनिर्माण कार्य में लगे मजदूरों में से किसी को चुनें। उन्हें कितनी मजदूरी मिलती है? क्या उन्हें नकद पैसा मिलता है। या वस्तु–रुप में? क्या उन्हें नियमित रुप से काम मिलता है? क्या वे कर्ज में हैं?

उत्तर : हमारे क्षेत्र में रामदयाल और लक्ष्मी दो खेतिहर मजदूर हैं जो एक निर्माण स्थल पर काम करते हैं। उन्हें मजदूरी के रूप में 70–80 रुपए मिलते हैं। हाँ, उन्हें मजदूरी नकद मिलती है। उनमें से अधिकतर को नियमित रूप से काम नहीं मिलता क्योंकि बहुत से लोग कम दरों पर काम करने के लिए राजी हो जाते हैं। क्योंकि उन्हें कम मजदूरी मिलती है इसलिए वे कर्ज में डूबे हुए हैं। कम मजदूरी के कारण वे बड़ी कठिनाई से परिवार का भरण–पोषण कर पाते हैं।

प्रश्न 8. एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के अलग–अलग कौन से तरीके हैं? समझाने के लिए उदाहरणों का प्रयोग कीजिए।

उत्तर : उत्पादन बढ़ाने के तरीके (a) बहुविध फसल प्रणाली: भूमि के एक ही टुकड़े पर एक ही वर्ष में कई फसलें उगाना बहुविध फसल प्रणाली कहलाता है। इस भू–भाग पर कृषि उत्पादन बढ़ाने का यह सबसे प्रचलित तरीका है। पालमपुर के सभी किसान कम से कम दो फसलें उगाते हैं। पिछले पंद्रह से बीस वर्षों से कई लोग तीसरी फसल के रूप में आलू उगाते हैं।

© JCERT not to be republished

(b) आधुनिक कृषि तरीकों के प्रयोग : पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि तरीकों को अपनाने वाले भारत के पहले किसान थे। इन क्षेत्रों के किसानों ने सिंचाई के लिए नलकूपों, एच.वाई.वी. बीज, रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों का प्रयोग किया। ट्रैक्टर एवं थ्रेशर का भी प्रयोग किया गया जिससे जुताई एवं फसल की कटाई आसान हो गई। उन्हें अपने प्रयासों में सफलता मिली और उन्हें गेहूं की अधिक पैदावार के रूप में इसका प्रतिफल मिला। एचवाईवी बीजों की सहायता से पैदावार 1300 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर से बढ़कर 3200 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर तक हो गई और अब किसानों के पास बहुत सा अधिशेष गेहूँ बाजार में बेचने के लिए होता है।

प्रश्न 9. एक हेक्टेयर भूमि के मालिक किसान के कार्य का ब्यौरा दीजिए।

उत्तर : भूमि को मापने की मानक इकाई हेक्टेयर है। एक हेक्टेयर 100 मीटर की भुजा वाले वर्गाकार भूमि के टुकड़े के क्षेत्रफल के एक किसान जो एक हेक्टेयर भूमि पर काम करता है उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। एक छोटा किसान जानता है कि वह इतने छोटे खेत पर काम करके अपने दोनों समय के खाने का प्रबंध नहीं कर सकता। इसलिए उसे अपने खेत पर काम करने के बाद 35–40 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से किसी बड़े किसान के खेतों में काम करना पड़ता है। यदि वह अपने ही खेत पर खेती शुरू करता है तो न उसके पास इसके लिए जरूरी साधन हैं, न बीज, खाद व कीटनाशक खरीदने के पैसे। एक बहुत छोटा किसान होने के कारण उसके पास कोई उपस्कर एवं कार्यशील पूँजी नहीं है। इन सब चीजों का प्रबंध करने के लिए उसे या तो किसी बड़े किसान से या फिर किसी व्यापारी अथवा साहूकार से ऊँची ब्याज दरों पर धन उधार लेना पड़ता था। इतनी मेहनत करने के बाद भी इस बात की संभावना रहती थी कि वो कर्ज में डूब जाए जो कि सदैव उसके लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण रहता था।

प्रश्न 10. मझोले और बड़े किसान कृषि से कैसे पूँजी प्राप्त करते है? वे छोटे किसानों से कैसे भिन्न है?

उत्तर : आधुनिक कृषि तरीकों में बहुत से धन की आवश्यकता होती है। मझोले एवं बड़े किसानों की कुछ अपनी बचत होती है। इस प्रकार वे जरूरी पूँजी का प्रबंध कर लेते हैं। दूसरी ओर अधिकतर छोटे किसानों को पूँजी का प्रबंध करने के लिए बड़े किसानों या व्यापारियों से पैसा उधार लेना पड़ता है। इस प्रकार के ऋणों की ब्याज दर भी प्रायः अधिक होती है। इस ऋण को वापस करने के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। 2 हेक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों को मझोले व बड़े किसानों की तुलना में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

प्रश्न 11. सविता को किन शर्तों पर तेजपाल सिंह से ऋण मिला है? क्या ब्याज की कम दर पर बैंक से कर्ज मिलने पर सविता की स्थिति अलग होती?

उत्तर : तेजपाल सिंह ने सविता को 24 प्रतिशत की ब्याज दर पर 4 महीने के लिए पैसा देना स्वीकार किया। जो कि बहुत अधिक ब्याज दर है। सविता एक कृषि मजदूर के रूप में कटाई के समय 35 रुपए प्रतिदिन की दर पर उसके खेतों में काम करने को भी सहमत होती है। तेजपाल सिंह द्वारा सविता से लिया जाने वाला ब्याज बैंक की अपेक्षा बहुत अधिक था। यदि सविता इसकी अपेक्षा बैंक से उचित ब्याज दर पर ऋण ले पाती तो उसकी हालत निश्चय ही इससे अच्छी होती।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 12. अपने क्षेत्र के कुछ पुराने निवासियों से बात कीजिए और पिछले 30 वर्षों में सिंचाई और उत्पाद के तरीकों में हुए परिवर्तनों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट लिखिए (वैकल्पिक)।

उत्तर : पुराने निवासियों से बात करने पर पिछले 30 सालों में सिंचाई और उत्पादन के तरीकों में हुए परिवर्तन से मुझे पता चला कि 30 वर्ष पहले खेती के पुराने तरीके प्रयोग किए जाते थे। किसान अपने खेतों को बैलों की सहायता से जोतते थे। सिंचाई की बहुत अधिक सुविधाएं नहीं थी। वे मॉनसून की बरसातों पर निर्भर रहते थे जो कि बहुत अनियमित होती थी। रहट को उस समय कुओं से पानी निकालने के लिए प्रयोग किया जाता था। किन्तु तकनीक में प्रगति के साथ किसानों ने सिंचाई के लिए नलकूप लगवा लिए हैं और एच.वाई.वी. बीजों, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों की सहायता से खेती करने लगे हैं। यहाँ तक कि खेतों में ट्रैक्टर एवं मशीनों का प्रयोग किया जाता है जिसने जुताई एवं फसल कटाई को तेज कर दिया है।

प्रश्न 13. आपके क्षेत्र में कौन से गैर–कृषि उत्पादन कार्य हो रहे हैं? इनकी एक संक्षिप्त सूची बनाइए।

उत्तर : डेयरी, विनिर्माण, दुकानदारी, परिवहन, मुर्गी पालन, दर्जी, बढई आदि गैर–कृषि उत्पादन कार्य हमारे क्षेत्र में किए जाते हैं।

प्रश्न 14. गाँवों में और अधिक गैर–कृषि कार्य प्रारंभ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

उत्तर : हमारे गाँव में लगभग 75 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं जिनमें किसान और खेतीहर मजदूर दोनों शामिल हैं। किन्तु उनकी आर्थिक दशा शोचनीय है। उनकी जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है जबकि भूमि स्थिर है। और कृषि क्रियाओं में और अधिक मजदूरों को काम मिल पाने की संभावना बहुत कम है। इसलिए गैर–कृषि कार्यों में वृद्धि करना बहुत जरूरी हो गया है ताकि कुछ खेतीहर मजदूरों को उनमें काम मिल सके जैसे कि डेयरी, विनिर्माण, दुकानदारी, परिवहन, मुर्गी पालन, दर्जी, शैक्षिक कार्य आदि गैर–कृषि क्रियाएं। यहाँ तक कि किसान भी इस प्रकार के कामों में शामिल हो सकते हैं जब उनके पास खेतों में कुछ अधिक काम नहीं होता हो और वे बेरोजगार हों। यह उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने में सहायक सिद्ध होगा।

© JCERT not to be republished